Mantras to Worship Goddess Lakshmi

Dr. (Major) Nalini Janardhanan

Goddess Lakshmi is the goddess of wealth and prosperity. Lakshmi Puja is mostly performed

during the festival of Deepavali. There are various slokas and mantras to worship the goddess.



1. Lakshmi Beej Mantra

ॐ हीं श्रीं लक्ष्मीभयो नमः॥

2. MahaLakshmi Mantra

ॐ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ॐ श्रीं हीं श्रीं महालक्ष्मयै नमः ॥

3. Lakshmi Gayatri Mantra

ॐ श्री महालक्ष्म्यै च विद्महे विष्णु पत्यै च धीमहि, तन्नो लक्ष्मी प्रचोदयात् ॐ॥

Lakshmi Mantras

1.ॐ श्रीं हीं क्लीं त्रिभुवन महालक्ष्म्यै अस्मांक दारिद्य नाशय प्रचुर धन देहि देहि क्लीं हीं श्रीं ॐ । 2. ॐ श्रीं हीं क्लीं ऐं सौं ॐ हीं क ए ई ल हीं ह स क ह ल हीं सकल हीं सौं ऐं क्लीं हीं श्री ॐ। Chant this on the day of Diwali. 3. ॐ ही श्रीं क्रीं श्रीं क्रीं क्लीं श्रीं महालक्ष्मी मम गृहे धनं पूरय पूरय चिंतायै दूरय दूरय स्वाहा । Chant this Lakshmi Mantra daily before going to work.

Mahalakshmi Mantra

ॐ सर्वाबाधा विनिर्मुक्तो, धन धान्यः सुतान्वितः। मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशयः ॐ ।। This is recited for obtaining the blessings from Goddess Mahalakshmi in the form of wealth and prosperity.

> श्री लक्ष्मी महामंत्रः ॐ श्रीं हीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः । पद्मानने पद्म पद्माक्ष्मी पद्म संभवे तन्मे भजिस पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम् ।। ऊं हीं त्रिं हं फट।।

Other Lakshmi Mantras

It is believed that, if you chant the following mantras with dedication and sincerity every day, the goddess will bless you with prosperity, success, wealth and a happy life.

11 2 11

ॐ महालक्ष्म्यै नमो नमः

ॐ विष्णुप्रियायै नमो नमः

ॐ धनप्रदायै नमो नमः

ॐ विश्वजनन्यै नमो नमः

11 9 11

ॐ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ॐ महालक्ष्मी नम: ।।

|| 3 ||

ॐ श्रीं ल्कीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्येहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा।।

11 8 11

ॐ हीं श्री क्रीं क्लीं श्री लक्ष्मी मम गृहे धन पूरये, धन पूरये, चिंताएं दूरये-दूरये स्वाहाः ।

1141

ॐ श्रीं हीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नम:

11 & 11

पद्मानने पद्म पद्माक्ष्मी पद्म संभवे तन्मे भजिस पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम्।

॥ ७ ॥ ऊं हीं त्रिं हुं फट।

Chanting the following mantras repeatedly is believed to bring in multiple benefits.

1. ॐ श्रीं हीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नम:

- 2. धनाय नमो नमः
- 3. ॐ लक्ष्मी नम:

4. ॐ हीं हीं श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नम:

लक्ष्मी नारायण नमः

6. पद्मानने पद्म पद्माक्ष्मी पद्म संभवे तन्मे भजिस पद्माक्षि येन सौख्यं लभाम्यहम्

7. ॐ श्रीं हीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नम:

८ ॐ धनाय नमः

9. ॐ हीं श्री क्रीं क्लीं श्री लक्ष्मी मम गृहे धन पूरये, धन पूरये, चिंताएं दूरये-दूरये स्वाहा:

10. ऊं हीं त्रिं हुं फट:

11.सिद्धिबुद्धिप्रदे देवि भुक्तिमुक्तिप्रदायिनी ।
हरिप्रिये महादेवि महालक्ष्मी नमोऽस्तु ते ॥
नमस्तेऽस्तु महामाये सर्वस्यातिहरे देवि ।
शंखचक्रगदाहस्ते महालक्ष्मी नमोऽस्तु ते ॥
यस्यस्मरणमात्रेण जन्मसंसारबन्धनात् ।
विमुच्यते नमस्तस्मै विष्णवे प्रभ विष्णवे ॥

श्री लक्ष्मी द्वादश नाम स्तोत्रम

श्रीदेवी प्रथमं नाम द्वितीयं अमृत्तोद्भवा तृत्तीयं कमला प्रोक्ता चतुर्थं लोकसुन्दरी | पञ्चमं विष्णुपली च षष्ठं स्यात् वैष्णवी तथा सप्ततं तु वरारोहा अष्टमं हरिवल्लभा नवमं शार्गिणी प्रोक्ता दशमं देवदेविका एकादशं तु लक्ष्मीः स्यात् द्वादशं श्रीहरिप्रिया द्वादशैतानि नामानि त्रिसंध्यं यः पठेन्नरः

आयुरारोग्यमैश्वर्यं तस्य पुण्यफलप्रदम् द्विमासं सर्वकार्याणि षण्मासाद्राज्यमेव च संवत्सरं तु पूजायाः श्रीलक्ष्म्याः पूज्य एव च लक्ष्मीं क्षीरसमुद्रराजतनयां श्रीरङ्गधामेश्वरीं दासीभूत समस्त देववनितां लोकैक दीपांकुराम् । श्रीमन्मन्दकटाक्ष लब्ध विभव ब्रह्मेन्द्र गंगाधरां त्वां त्रैलोक्य कटंबिनीं सरसिजां वन्दे मक्-दप्रियाम ।।६।। ।। इति श्री लक्ष्मी द्वादश नाम स्तोत्रम् सम्पूर्णम् ।।





Ashtalakshmi Strotra

Ashtalakshmi or the eight different forms of Goddess Lakshmi are: Adi Lakshmi, Dhairya Lakshmi, Gaja Lakshmi, Santhana Lakshmi, Vijaya Lakshmi, Vidya Lakshmi, Dhana Lakshmi, and Dhanya Lakshmi. Ashtalakshmi Stotram is sung in praise of these eight forms of Goddess Lakshmi.

'अष्टलक्ष्मी स्तोत्र'

 आद्य लक्ष्मी सुमनस वन्दित सुन्दिर माधिव, चन्द्र सहोदिर हेममये, मुनिगण वन्दित मोक्षप्रदायिनि, मंजुल भाषिणी वेदनुते। पंकजवासिनी देव सुपूजित, सद्गुण वर्षिणी शान्तियुते, जय जय हे मधुसुदन कामिनी, आद्य लक्ष्मी परिपालय माम।।

2. धान्यलक्ष्मी

अयिकिल कल्मष नाशिनि कामिनी, वैदिक रूपिणि वेदमये, क्षीर समुद्भव मंगल रूपिण, मन्त्र निवासिनी मन्त्रयुते। मंगलदायिनि अम्बुजवासिनि, देवगणाश्रित पादयुते, जय जय हे मधुसूदन कामिनी, धान्यलक्ष्मी परिपालय माम्।।

3. धैर्यलक्ष्मी जयवरवर्षिणी वैष्णवी भार्गवि, मन्त्रस्वरूपिणि मन्त्रमये, सुरगण पूजित शीघ्र फलप्रद, ज्ञान विकासिनी शास्त्रनुते। भवभयहारिणी पापविमोचिनी, साधु जनाश्रित पादयुते, जय जय हे मधुसुदन कामिनी, धैर्यलक्ष्मी परिपालय माम।।

4. गजलक्ष्मी

जय जय दुर्गति नाशिनि कामिनि, सर्वफलप्रद शास्त्रमये, रथगज तुरगपदाति समावृत, परिजन मण्डित लोकनुते। हरिहर ब्रह्म सुपूजित सेवित, ताप निवारिणी पादयुते, जय जय हे मधुसूदन कामिनी, गजरूपेणलक्ष्मी परिपालय माम्।।

5. संतानलक्ष्मी
अयि खगवाहिनि मोहिनी चक्रिणि, राग विवर्धिनि ज्ञानमये,
गुणगणवारिधि लोकहितैषिणि, सप्तस्वर भूषित गाननुते।
सकल सुरासुर देवमुनीश्वर, मानव वन्दित पादयुते,
जय जय हे मधुसूदन कामिनी, सन्तानलक्ष्मी परिपालय माम्।।



- 6. विजयलक्ष्मी जय कमलासिनि सद्गति दायिनि, ज्ञान विकासिनी ज्ञानमये, अनुदिनमर्चित कुन्कुम धूसर, भूषित वसित वाद्यनुते। कनकधरास्तुति वैभव वन्दित, शंकरदेशिक मान्यपदे, जय जय हे मधुसुदन कामिनी, विजयलक्ष्मी परिपालय माम्।।
- 7. विद्यालक्ष्मी प्रणत सुरेश्वर भारति भार्गवि, शोकविनाशिनि रलमये, मणिमय भूषित कर्णविभूषण, शान्ति समावृत हास्यमुखे। नवनिधि दायिनि कलिमलहारिणि, कामित फलप्रद हस्तयुते, जय जय हे मधुसुदन कामिनी, विद्यालक्ष्मी सदा पालय माम्।।
- 8. धनलक्ष्मी धिमिधिमि धिन्दिमि धिन्दिमि, दिन्धिमि दुन्धुभि नाद सुपूर्णमये, घुमघुम घुंघुम घुंघुंम घुंघुंम, शंख निनाद सुवाद्यनुते। वेद पुराणेतिहास सुपूजित, वैदिक मार्ग प्रदर्शयुते, जय जय हे मधुसूदन कामिनी, धनलक्ष्मी रूपेणा पालय माम्।। अष्टलक्ष्मी नमस्तुभ्यं वरदे कामरूपिण। विष्णु वक्षः स्थलारूढे भक्त मोक्ष प्रदायिनी।। शंख चक्रगदाहस्ते विश्वरूपिणिते जयः। जगन्मात्रे च मोहिन्यै मंगलम् शुभ मंगलम्।।



Shri Mahalakshmi Ashtakam

Shri Mahalakshmi Ashtakam is a prayer dedicated to Goddess Lakshmi. Taken from the Padma Purana it was chanted by Lord Indra in praise of the goddess.

॥ श्री महालक्ष्म्यष्टकम् ॥ श्री गणेशाय नमः नमस्तेस्तू महामाये श्रीपिठे सूरपुजिते । शंख चक्र गदा हस्ते महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ १ ॥ नमस्ते गरूडारूढे कोलासुर भयंकरी ।

सर्व पाप हरे देवी महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ २ ॥
सर्वज्ञे सर्ववरदे सर्वदुष्ट भयंकरी ।
सर्व दुःख हरे देवी महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥३ ॥
सिद्धीबुद्धीप्रदे देवी भुक्तिमुक्ति प्रदायिनी ।
मंत्रमूर्ते सदा देवी महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ ४ ॥
आद्यंतरहिते देवी आद्यशक्ती महेश्वरी ।
योगजे योगसंभूते महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ ५ ॥
स्थूल सूक्ष्म महारौद्रे महाशक्ती महोदरे ।
महापाप हरे देवी महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ ६ ॥
पद्मासनस्थिते देवी परब्रम्हस्वरूपिणी ।
परमेशि जगन्मातर्र महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ ७ ॥
श्वेतांबरधरे देवी नानालंकार भूषिते ॥
जगत्स्थित जगन्मार्त महालक्ष्मी नमोस्तूते ॥ ८ ॥
महालक्ष्म्यष्टकस्तोत्रं यः पठेत् भक्तिमात्ररः ।
सर्वसिद्धीमवाप्नोति राज्यं प्राप्नोति सर्वदा ॥ ९ ॥

एककाले पठेन्नित्यं महापापविनाशनं । द्विकालं यः पठेन्नित्यं धनधान्य समन्वितः ॥१०॥ त्रिकालं यः पठेन्नित्यं महाशत्रूविनाशनं । महालक्ष्मीर्भवेन्नित्यं प्रसन्ना वरदा शुभा ॥११॥ ॥इतिंद्रकृत श्रीमहालक्ष्म्यष्टकस्तवः संपूर्णः ॥

वेदोऽखिलो धर्ममूलम् । वेदो नित्यमधीयताम् । वेदाः वयं वः शरणं प्रपत्राः । वेदा ये नः परं धनम् ।



Advaitha Vidyacharya Maharaja Saheb SRI GOVINDA DEEKSHITHAR PUNYA SMARANA SAMITHI (REGD.)

"Sri Govinda Deekshithar Ghatika Sthanam"

29-30, East Iyen Street, (Entrance at Yagasalai St),
KUMBAKONAM-612001, Tamil Nadu, India
Tel. No. Off. (0435) 2401789, 2425948 Patasala: 2422866, 2401788
E-Mail rajavedapatasala@gmail.com Website: www.rajavedapatasala.org

An Appeal For the Preservation of Vedas and Sastras

For posterity under ancient traditional Gurukula System.

The Raja Veda Kavya Patasala, Kumbakonam was established in 1542 AD for the spread of Vedas and Shastras on the Southern Banks of the Sacred River Cauvery by the illustrious Statesman-administrator SAINT ADVAITHA VIDYACHARA MAHARAJA SAHEB BHAGWAN SRI GOVINDA DEEKSHITHAR who was the Chief Minister to the three successive Naik Rulers of Tanjore. This is the only Patasala in Tamil Nadu, which is functioning without interruption for the past 471 years, where all the three Vedas viz. RIG, YAJUR (Sukla & Krishna) and SAMA are taught with a time tested ancient syllabus under one roof to young students who are admitted between 8-12 years. At present 155 students undergo training for a period of ranging from six to ten years and they are given free boarding, lodging, clothing, transport, etc. 14 Adhyapakas impart knowledge to them.

After successful completion of their respective Vedic courses, they are given encouragement for taking higher studies on Vedas and Shastras by highly qualified Adhyapakas of our Patasala.

The new Patasala Building (13,500 sq ft) named as "Sri Govidna Dikshitar Ghatika Sthanam" was inaugurated on 21.6.2004 by HH Sri Jayendra Saraswathi Swamigal of Kanchikamoti Mutt.

To overcome the problem of growing expenses of our Patasala, donations are accepted under the following schemes. Kindly mention your phone (with STD Code) Mobile Number positively in your letter.

Name of the Schemes	Donation (Part expenses)	*'Corpus' fund for endowment
Lunch feeding (Samaradhana) to Vedic Vidyarthis	₹	₹
(Homely meals)	700/-	9,000/-
Special Samaradhana	2,500/-	30,000/-
For Rice & Dal: (75 Kgs)	1,600/-	20,000/-
For education: Vedas (Sikksha & Rakshana) per student	12,000/- P.A.	1,50,000/-

Donations by A/c. payee crossed D.D./Cheque may please be drawn in favour of A.V.M.S.G.D.P.S. Samithi payable at Kumbakonam. (Please correspond to the President & Treasurer to the above address). In your letter/e-mail please give your full mailing address with PIN code and phone, Mobile Number also.